भजन

तर्ज धड़कनों को खबर ना होने दी.

होश रूहों को ये ना आने दी, उतरे इस खेल में हैं आंखों से
देखी आँखों ने आपकी आँखें, पाया ये खेल हमने आँखों से

1) आपको तो ये खबर ही थी, हम ना समझे हुआ जो आँखों से

2.) जिन निगाहों से इश्क मिलता था,देखा आलम ये और आंखों से

3) दिल में तो ले लिया था ये तुमने, जो दिखाया हजूर आँखों से

4) दिल में अब आप ही को लेना है,बस हटा दो ये ख्वाब आँखों से